

* ओडिशा संस्करण

16 अक्टूबर, 2023
अरिन, शुल्ल पक्ष, दितीया
संवत् 2080
पृष्ठ : 12, गूण्य : ₹3.00

रांची

सोमवार, वर्ष 08, अंक 356

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही



827 माध्यमिक शिक्षकों का नियुक्ति पत्र वितरण समारोह



मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्री आलमगीर आलम

माननीय मंत्री, ग्रामीण विकास,
ग्रामीण कार्य, पंचायती राज एवं संसदीय
कार्य विभाग, झारखण्ड सरकार

श्री सत्यानंद भोका

माननीय मंत्री, श्रम, नियोजन,
प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग,
झारखण्ड सरकार

गणिमानयी उपस्थिति

श्रीमती महुआ माजी

माननीय सांसद, राज्यसभा

श्री संजय सेठ

माननीय सांसद, लोकसभा रांची

श्री सी.पी. सिंह

माननीय विधायक, विधानसभा रांची

दिनांक : 16 अक्टूबर, 2023 | समय : अपराह्न 1 बजे
स्थान : स्व. रामदयाल मुण्डा फुटबॉल मैदान मोराबादी, रांची

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड सरकार

जातीय राजनीति के शोर में अलग से गुंज रहा ओबीसी का मुद्दा

■ 47 फीसदी ओबीसी वोटरों को अपने पक्ष में आकर्षित करने में जुटी पार्टियां

■ दलितों-पिछड़ों के समूह से अलग इस वर्ग का हमेशा से रहा है अलग रुझान

■ बड़ा सवाल: इस बार चुनावों में किस तरफ झुकेगा ओबीसी वोटरों का पलड़ा

चुनावी बुखार में तप रहे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में आजकल जातीय राजनीति की धूम मची हुई है। हर दल राजनीति के अपेक्षाकृत इस नये स्वरूप से बचना तो चाहता है, लेकिन गोटों की लालच उसे घुमा-फिरा कर फिर से इसी तालाब में धकेल देती है। जातीय राजनीति के इस शोर में दलितों और पिछड़ों की बात तो हो रही है, लेकिन ओबीसी, यानी अन्य पिछड़ वर्गों की बात कम ही सनाई पड़ती है, जबकि हकीकत यह है कि देश में ओबीसी जातियों की आबादी करीब 47 प्रतिशत है और यह किसी भी चुनाव के परिणाम को प्रभवित करने की क्षमता रखती है। स्वाभाविक है कि इतनी विशाल आबादी को अपनी तरफ आकर्षित करने के लिए हर दल अपने तरीके से कोशिश करने लगा है। 2014 और 2019 के चुनाव

में ओबीसी का झुकाव आम तौर पर भाजपा की तरफ रहा था, जिसका मुख्य कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इसी समुदाय से ये जनगणना के मुद्दे पर दलों ने भाजपा के सामने बड़ी चुनावी खड़ी कर दी है। महिला आरक्षण बिल में ओबीसी कंटा और जातिगत सर्वेक्षण की मांग कर ओबीसी वोटरों की गोलबंदी की कोशिश में जुटी कांग्रेस की यह चाल ऊपर-ऊपर तो प्रभावी दिख रही है, लेकिन अब तक यह तय नहीं है कि इस बार ओबीसी समुदाय का पलड़ा किस तरफ झुकेगा। देश के चुनावी माहौल में ओबीसी कार्ड की स्थिति और इसके संभावित झुकाव के बारे में बता रहे हैं **आजाद सिपाही** के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।



आबादी का 47 प्रतिशत हिस्सा ओबिसी समुदाय का है। कहा जाता है कि यह आबादी जिस तरफ झुक जाती है, चुनावी जीत उसकी ही होती है। इसलिए अगले महीने होनेवाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव और फिर अगले साल होनेवाले संसदीय चुनावों में इस समुदाय को साधने की तमाम कोशिशें शुरू हो गयी हैं।

भारत का चुनावी इतिहास बताता है कि ओबीसी समुदाय 2014 से पहले तक आम तौर पर विभाजित रहा था। लेकिन 2014 में पहली बार इसने भाजपा के पक्ष में वोट किया। इसका मुख्य कारण नंदेंद्र मोदी का ओबीसी समुदाय का होना था। चुनावों में भाजपा ने जीत हासिल की और नंदेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बन गये। अगले पांच साल उनकी सरकार के कामकाज और दुनिया भर में भारत की स्थिति में सुधार को ओबीसी समुदाय ने अपनी जीत के तौर पर लिया। इसलिए 2019 में एक बार फिर इस समुदाय ने कुछेक अपवादों को छोड़ कर भाजपा का साथ दिया और पार्टी को प्रचंड बहुमत हासिल हो गया।

पिछले लोकसभा चुनाव में

पिछले लाइसेंसमा चुनाव में कांग्रेस को सिर्फ 15 फीसदी और बीसी वोट, जबकि भाजपा को आर नाताश कुमार का आवासी वोट बैंक में सेँध लगाने की जरूरत है।



**इस बार स्थिति
अब तक साफ नहीं**

लेकिन इस बार स्थिति अब तक साफ नहीं है। कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्ष ओबीसी कार्ड जम कर खेल रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार इस मुद्दे को उठा रहे हैं, योग्या उनके पास कोई ऐप चेंजिंग आइडिया आ गया है। भले ही विपक्षी गठबंधन के सभी दल जातीय जननगणना के पक्ष में न हों, पर राहुल गांधी इसे मुख्य चुनावी मुद्दा बता रहे हैं। कांग्रेस शासित राज्यों में जातिगत

आना था। लेकिन इस बार जातीय जनगणना के मुद्दे पर नीड लेकर कांग्रेस और विपक्षी दलों ने भाजपा के सामने

झुकगा। दर्श के धुनाव महाल म आवासा काट का स्थान
और इसके संभावित झुकाव के बारे में बता रहे हैं **आजाद**
सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।

समय तक विपक्षी गठबंधन से जोड़े रख सकती है। कांग्रेस समझ रही है कि उसे सत्ता में आना है, तो अपने वोट बैंक में भारी-भरकम इजाफा करना है। ऐसा वोट बैंक महापिछड़े ही हैं।

इस हिसाब से आगामी दिसंबर से देश में सियासत करने का तरीका बदलने वाला है। अगर कांग्रेस ने छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और तेलंगाना में जीत हासिल की, तो ऐसा नरैटिव स्थापित किया जायेगा, जैसे वह ओबीसी वोट की गोलबंदी से हुआ है। वैसी स्थिति में जातीय सर्वे की घोषणा कर दी जायेगी। आगामी जनवरी में जब भाजपा अयोध्या में राम मंदिर का भव्य उद्घाटन समारोह करवा रही होगी, तब विपक्ष के भीतर से ओबीसी सर्वे की मांग उठ रही होगी। बिहार का सर्वे सामने आया, तो प्रधानमंत्री मोदी ने इसे विपक्ष का पाप बताया। मोदी ने अगले दिन गरीब को सबसे बड़ी जाति बताया, तो कांग्रेस पर मुसलमानों का हक छीनने का अजीबो-गरीब आरोप जड़ दिया। मोदी के इस बयान के गहरे अर्थ हैं। गरीबों की बात कर मोदी ने हर उस वर्ग को प्रभावित करने की कोशिश की है, जो आज भी दो जून की रोटी के लिए जिंदगी की जंग लड़ रहा है। उसका तो सारा दिन रोटी की जुगाड़ में कट जाता है। जात-पात के लफड़े उसे समझ में नहीं आते। उसे जहां दो जून की रोटी दिखती है, वह वहाँ अपना श्रम बेचने लगता है। मजदूर की भूमिका में ये लोग यह नहीं देखते कि वे हिंदू के यहां काम कर रहे हैं या मुसलमान के यहां। अगड़ों के यहां काम कर रहे हैं या पिछड़ों के यहां। उन्हें तो सिफ़ दो जून की रोटी की चिंता है। मोदी इस बात को भलीभांति समझते हैं। इसीलिए उन्होंने गरीबों की संख्या सबसे बड़ी बतायी है। जाहिर है, उसे अपने पक्ष में करने के लिए ही केंद्र सरकार ने मुफ्त में अनाज और अन्य सुविधाएं उपलब्ध करायी हैं। इसका क्रम अगे भी जारी रहेगा। ये ऐसी सुविधाएं हैं, जिन्हें लेने के बाद लोग अंतरात्मा की आवाज पर वोट करते हैं और उसी में भाजपा का पलड़ा भारी हो जाता है। गरीबों को ही ध्यान में रख कर भाजपा की रणनीति का एक रास्ता रोहिणी कमीशन की ओबीसी कोटे को चार श्रेणियों में बांटने की सिफारिश की तरफ जाता है, पर इसके अपने राजनीतिक जोखिम हैं। भाजपा को सवारों का भी ध्यान रखना है, जो उसका कोर वोट बैंक है। संघ ने वर्षों की मेहनत के बाद ओबीसी को भाजपा के पक्ष में लाने में सफलता पायी है। दलितों में महादलित और पिछड़ों में महापिछड़ों को लेकर भाजपा नये सिरे से गोलबंदी करने की सोच रही है। अगर ऐसा हुआ, तो देश में नये सिरे से जातीय गोलबंदी होगी और इस सोशल इंजीनियरिंग की गंगा में कौन बचेगा, कौन बह जायेगा, अंदाजा लगाना मुश्किल है।

राजनीतिक हलचल

कांग्रेस ने मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में उम्मीदवार घोषित किये

कांग्रेस ने मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में अंगले महीने से होनेवाले विधानसभा चुनाव के लिए 229 प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। इनमें मध्यप्रदेश से 144, छत्तीसगढ़ से 30 और तेलंगाना से 55 उम्मीदवारों के नाम हैं। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को पार्टी ने छिंदवाड़ा से टिकट दिया है। सीएम शिवराज सिंह के खिलाफ बुधनी से विक्रम मस्ताल को उतारा गया है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को उनकी परंपरागत सीट पाटन से और डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव को अंबिकापुर से प्रत्याशी बनाया गया है।

एमपी में कांग्रेस के 144 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी, 96 विधायकों में से 69 को फिर से टिकट सिंधिया के चनाव लड़ने की अटकलों के बीच कांग्रेस ने शिवपरी से दिग्गज केपी सिंह को उतारा

छत्तीसगढ़: कांग्रेस की पहली लिस्ट में आठ विधायकों का कटा टिकट
30 में से 14 सीटें एसटी, एससी को तीन, महिलाओं को चार और अल्पसंख्यक को एक टिकट

नलगांडा। निवाचन क्षेत्र का प्रतीतनाधर्त कवन वाल लोकसभा सदस्य है। पूर्व पीसीसी अध्यक्ष उत्तम कुमार रेडी की पती पद्मावती रेडी को कोडांड क्षेत्र से मैदान में उतारा गया है। पीसीसी अध्यक्ष कोडांगला से और उत्तम कुमार रेडी हुजूरनगर भूतदान कराया जायेगा। बुलाव नताज इंटर्सर को घोषित किये जायेंगे। पाटी ने जानकारी दी है कि शेष 64 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम एक या दो दिन में तय किये जायेंगे और जल्द ही घोषणा की जायेगी।

मतदान कराया जायेगा। चुनाव नतंज ३ दिसंबर
को घोषित किये जायेंगे। पार्टी ने जानकारी दी है
कि शेष ६४ सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम एक
या दो दिन में तक किये जायेंगे और जल्द ही
घोषणा की जायेगी।

अल्पसंख्यक उम्मीदवार को टिकट दिया गया
है। कांग्रेस ने पार्टी के आंतरिक सर्वेक्षण के
भत्तमात्र उन दिग्गजों को दिक्कत दिया है।



PARADISE FURNITURES
EXCLUSIVE World Class Furniture...
7 DAYS OPEN
BIGGEST SHOWROOM SUNDAY OPEN
A HOUSE OF INNOVATIVE (INDIAN) IMPORTED INDOOR & OUTDOOR FURNITURE

Buy Sofa set & get Centre Table FREE
Buy Bed set & get Mattress FREE
Buy Dinning Table & get Cabinet FREE
Buy Mattress & get Bedsheet + Pillow FREE
... and many more
Exchange Your old furniture
Get Flat 30% off on new furniture! Enjoy Flat 15% off without exchange
Argora By Pass Road, Harmu, Ranchi
Phone : 06511-224416, 7781014100
7781014101, 7781014102

KUNWAR SINGH PHARMACY COLLEGE OF EDUCATION
PHARMACY COUNCIL OF INDIA
(PCI CODE-5806)
JHARKHAND STATE PHARMACY COUNCIL

D. Pharma
Total fee of Two Years - 14700/-
(No Any Extra Fee)
ADMISSION OPEN
AT- NAWADH, POST- ORKHAR,
DHANWAR, GIRIDIH, JH-825412
6201100402
9155140177

न्यूज रील्स
दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में भूकंप के तेज़ झटके
नयी दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में रविवार तीसरे पर रक्की चार बजे भूकंप के झटके महसूस किये गये। रिक्टर स्कैल पर इसकी तीव्रता 3.1 मापी गयी। भूकंप का केंद्र हरियाणा का फरीदबाद रहा। झटके इनमें तेज़ थे कि लग्ज घरार कर अपने-अपने घरों से बाहर निकल गये। कहीं से किसी प्रकार के नुकसान की जानकारी सामने नहीं आई।

डीआरआइ ने जल्द किया 19 करोड़ का सोना
नयी दिल्ली। डीआरआइ ने वाराणसी, नागपुर और मुंबई से कुल 19 करोड़ रुपये का सोना जल्द किया। डीआरआइ द्वारा जल्द कुल सोना कीरीब 31.7 किलो है और इसकी कीमत कीरीब 19 करोड़ रुपये आंकी जा रही है। इस मामले में 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

डीआरआइ ने अपनी बालादेश से बाहर किया गया है। आंकी पाली जैसे शहर में सोना लाकर इसे मुंबई, नागपुर और वाराणसी जैसे शहरों में भेज रहे थे।

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा



सीएम आज 827 शिक्षकों को सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

- सभी हाइस्कूल में हुए हैं नियुक्ति
- जे गृहजी एप की भी होगी लाइंग

आजाद सिपाही हेमत सोरन सोमवार का राज्य के हाइस्कूलों में नवनियुक्त 827 शिक्षकों को सोमवार को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे।

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की ओर से इसकी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। मोराजावादी के कुर्ताउन स्टेडियम में जो एवं बजे से इस बात से एक समारोह का आयोजन किया गया है। समारोह में सीएम हेमत सोरन एवं सोनी गृहजी एप की भी लाइंग

